an>

Title: Need to send a central team to assess the crop damage in all the districts which experienced unseasonal rains and hailstorms and announce a loan waiver scheme for the affected farmers.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़) : उपाध्यक्ष जी, विगत दिनों देश में हुई भारी वर्षा तथा ओलावृष्टि से फसलों को व्यापक नुकसान हुआ है। गेहूं, सरसों, मटर, चना आदि फसलों को भारी नुकसान हुआ है। देश के जिन क्षेत्रों में आलू पैदा होता है, वहां पर आलू की फसल को भी बहुत नुकसान हुआ है। इस प्राकृतिक आपदा से किसान बहुत व्यथित हैं तथा उनका जीवन दयनीय हो गया है जिससे परिणामस्वरूप अपने ऋण न चुका पाने की वजह से किसान आत्महत्या जैसा कदम उठा रहे हैं। देश के गरीब किसान और भूमिहीन किसान मजदूर अक्सर ऋण लेकर कृषि में निवेश करते हैं, परंतु दुर्भाग्यवश जब प्राकृतिक आपदा आती है तो उनके उधार लिए गए कर्ज के साथ-साथ उनका मानवीय परिश्रम भी डूब जाता है और किसानों के सामने ऋण अदा करने की मजबूरी होती है। हाल में आए हुए प्राकृतिक आपदा से देश के अन्नदाता किसान के सभी सपने चूर-चूर हो गए हैं तथा अब वे अपनी विपन्न स्थिति से इतना हताश और निराश हो चुके हैं कि वे आत्महत्या जैसे दुर्भाग्यपूर्ण कदम उठा रहे हैं। इस संबंध में सरकार द्वारा किसानों को राहत पहुंचाने के लिए समुचित कदम उठाया जाना एक संतोषजनक पहल है।

अतः सदन के माध्यम से मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि सरकार आपदाग्रस्त जिलों में केन्द्रीय टीमें भेजकर किसानों को हुए नुकसान का मौके पर जायजा लेकर उनके ऋण माफी की दिशा में तत्काल ठोस कदम उठाए।

HON. DEPUTY SPEAKER: Shri Rahul Kaswan - Not present.

Shri Pralhad Joshi.